क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 222, शुक्रवार, 07 सितम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वायुसेना उप प्रमुख बोले- राफेल एक बेहतरीन विमान, इसे उड़ाने को सेना तैयार

नेशनल डेस्क।

राफेल से जुड़े 58,000 करोड़ रुपये के सौदे को लेकर विवाद के बीच वायुसेना ने कहा कि यह एक बेहतरीन विमान है जो भारत को अभूतपूर्व युद्धक क्षमता प्रदान करेगा। वायुसेना के उप प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ) एयर मार्शल एस बी देव ने कहा कि राफेल सौदे की आलोचना करने वाले लोगों को निर्धारित मानदंडों और खरीद प्रक्रिया को समझना चाहिए। देव ने कहा कि राफेल एक बेहतरीन विमान है...यह काफी सक्षम विमान है और हम इसे उड़ाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। राफेल विवाद से जुड़े विवाद के बारे में उनसे एक कार्यक्रम से इतर सवाल किय गया था। एयर मार्शल ने कहा कि राफेल विमान से भारत को इस क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वियों पर अभूतपूर्व बढ़त प्राप्त होगी। भारत ने 36 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए 58,000 करोड़ रुपये की लागत से सितंबर 2016 में फ्रांस के साथ अंतर-सरकारी समझौता किया था। इन विमानों की आपूर्ति सितंबर 2019 से शुरू होने वाली है। कांग्रेस ने इस सौदे को लेकर कई सवाल उठाए हैं जिनमें विमान की कीमतें शामिल हैं। हालांकि सरकार ने आरोपों को खारिज कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

देश का पहला रोटी बैंक, मुफ्त में मिलेगा खाना

डूंगरपुर। दक्षिणी राजस्थान के छोटे शहर डूंगरपुर में देश का पहला रोटी बैंक खोला गया है जहां कोई भी व्यक्ति निःशुल्क दोपहर का भोजन कर सकता है। शहर में अपनी तरह की यह अनोखी पहल नगर परिषद के अस्पताल में की गई है। इसके लिए डूंगरपुर नगर परिषद ने स्थान उपलब्ध कराया है जबकि दिन-प्रतिदिन की व्यवस्था का जिम्मा शहर के समाजसेवियों ने उठाया है। नगर परिषद के सभापति एवं स्वच्छ राजस्थान के ब्रांड एम्बेसडर के.के.गुप्ता की पहल पर यह रोटी बैंक खोलने का निर्णय लिया है। पिछले सप्ताह इस बैंक खोलने की घोषणा की गई थी। गुप्ता ने बताया कि शहर में इस जिले का एकमात्र अस्पताल है। मरीजों को तो भोजन अस्पताल उपलब्ध करा देता है लेकिन उनके तिमारदारों को भोजन के लिए परेशान होना पड़ता है। शहर में पर्याप्त होटल या धर्मशाला भी उपलब्ध नहीं है। आस-पास के क्षेत्रों में इस शहर का प्रमुख स्थान है। यहां सरकारी नौकरियों के लिए परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। परीक्षार्थियों को रहने और खाने की भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखकर रोटी बैंक की शुरूआत की गई है। उन्होंने बताया कि इस बैंक से कोई भी व्यक्ति निःशुल्क रोटी प्राप्त कर सकता है। कोई व्यक्ति चाहे तो धन या श्रम का दान भी कर सकता है। उन्होंने कहा कि रोटी बैंक के संचालन के लिए एक ट्रस्ट की स्थापना की गई है। कोई भी व्यक्ति एक लाख रुपए दान करके इसका ट्रस्टी बन सकता है। इसके अलावा कोई भी व्यक्ति विशेष अवसरों जैसे जन्मदिवस, जयंती या पुण्यतिथि तथा त्योहारों पर भोजन की व्यवस्था का जिम्मा ले सकता है। गुप्ता ने बताया कि इसमें बच्चों को जोडने के लिए एक विशेष व्यवस्था शुरू की गई है। स्कूल में पढने वाले प्रत्येक बच्चे से घर से एक अतिरक्त रोटी लाने के लिए कहा जाएगा। इन रोटियों को लंच के समय जरुरतमंद व्यक्तियों तक पहुंचा दिया जाएगा।

चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी में छोड़ा पानी, एयरलिफ्ट कर अरुणाचल प्रदेश में 19 लोगों को बचाया

शिलांग। चीन में भारी बारिश के चलते पिछले दिनों ब्रह्मपुत्र नदी में पानी छोड़ दिया है। चीन के पानी छोड़ने से अरुणाचल प्रदेश की सियांग नदी में भी पानी बढ़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार त्संगपो नदी से 9020 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। वहीं अरुणाचल प्रदेश के बाढ़ प्रभावित एक द्वीप में फंसे 19 लोगों को वायुसेना ने हवाई मार्ग से सुरक्षित बाहर निकाल लिया जबकि असम के धेमाजी जिले से 200 से अधिक लोगों को बचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण धेमाजी में सियांग नदी उफान पर है। सियांग नदी चीन से निकलती है। मेघालय के तीन जिलों में भी बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। सियांग नदी मूल रूप से तिब्बत से निकलती है और चीन में इसे त्संगपो के रूप में जाना जाता है। यह लोहित और दिबांग नदी के साथ मिलकर असम में ब्रहमपुत्र नदी में तब्दील हो जाती है।

मालेगांव धमाका एनआईए ने पुरोहित सहित आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया टाली

मुंबई। एक स्थानीय अदालत ने बुधवार को 2008 के मालेगांव धमाका मामले में लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया टाल दी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत के न्यायाधीश विनोद पाडलकर ने आरोप तय करने का काम उस वक्त टाल दिया जब पुरोहित एवं अन्य आरोपियों ने गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून (यूएपीए) के तहत उन पर मुकदमा चलाने की वैधता पर आपत्ति जताई। पूर्व मेजर रमेश उपाध्याय नाम के एक आरोपी ने दलील दी कि मुकदमे की सुनवाई शुरू करने से पहले इस पर फैसला होना चाहिए कि क्या उन पर यूएपीए लागू हो सकता है। न्यायाधीश ने मामले को स्थगित कर दिया और कहा कि अदालत अगले सोमवार से सभी आरोपियों की दलीलें सुनेगी। उन्होंने कहा कि दलीलों की सुनवाई हर रोज होगी और इसकी शुरुआत पुरोहित से होगी। बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पुरोहित की वह अर्जी खारिज कर दी थी जिसमें उन्होंने मांग की थी कि निचली अदालत को इस मामले में उनके और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने से रोका जाए। पुरोहित ने अपनी अर्जी में उच्च न्यायालय से अनुरोध किया था कि आरोप तय करने की प्रक्रिया पर तब तक रोक लगाई जाए जब तक उच्च न्यायालय द्वारा उन पर मुकदमा चलाने की मंजूरी के मुद्दे पर फैसला नहीं कर लेता। पिछले साल 18 दिसंबर को उच्च न्यायालय ने पुरोहित पर मुकदमा चलाने के लिए सरकार की मंजूरी को रद्द करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उन्होंने उच्चतम न्यायालय का रुख किया था, जिसने 20 अप्रैल को इस मामले में दखल से इनकार कर दिया था।

पुलिस के उत्साह को कम करने वाले लेखों से बचे मीडिया: वैद

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक डॉ. एस. पी. वैद ने कहा है कि मीडिया को राज्य में दशकों से युद्ध लड़ रही पुलिस के उत्साह को कम करने वाले लेखों को प्रकाशित करने से बचना चाहिए। वैद ने राज्य के पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण पर समाचार चैनल एनडीटीवी की रिपोर्ट पर यह प्रतिक्रिया व्यक्त की। वैद ने ट्वीट किया,जम्मू कश्मीर पुलिस दशकों से छद्म युद्ध लड़ रही है। इस कार्य के लिए बहुत साहस और दृढ़ता की आवश्यकता होती है। ऐसे में पुलिस के उत्साह को कम करने वाले कल्पित लेखों से बचना चाहिए। मैं एनडीटीवी की रिपोर्ट के संबंध में कहना चाहता हूं कि स्थानांतरण सरकार का विशेषाधिकार और एक नियमित प्रक्रिया है। एनडीटीवी की रिपोर्ट में कहा गया था कि गृह मंत्रालय जम्मू कश्मीर पुलिस के कामकाज से संतुष्ट नहीं है और वह वैद के विकल्प की तलाश कर रहा है। गृह मंत्रालय ने हालांकि सभी आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा है कि वह जम्मू कश्मीर पुलिस सराहनीय कार्य कर रही है। गृह मंत्रालय ने कई अवसरों पर राज्य पुलिस के कामकाज की सराहना की है।

लड़की के अपहरण वाले बयान की मनसे-राकांपा ने की आलोचना

मुंबई।

मनसे और राकांपा ने महाराष्ट्र भाजपा विधायक राम कदम की तुलना बुधवार को रावण से की जिन्होंने युवाओं से कथित रूप से कहा था कि उनकी पसंद की लड़की अगर उनका प्रस्ताव ठुकरा भी देती तो भी वह उसका 'अपहरण' कर लेते। घाटकोपर विधायक अपनी टिप्पणी को लेकर खेद जता चुके हैं। उन्होंने उक्त टिप्पणी अपने घाटकोपर विधानसभा क्षेत्र में सोमवार की रात में आयोजित एक 'दही हांडी' कार्यक्रम में की थी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने घाटकोपर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास के बाहर पोस्टर लगाए हैं जिसमें कदम को रावण के तौर पर दिखाया गया है। राज ठाकरे नीत पार्टी ने पोस्टर में लिखा है कि विधायक बेटियों का अपहरण करेंगे। यदि वह या उनके लोग ऐसा करते हैं तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराइये और हमें बताइये। हम आपकी बेटियों की सुरक्षा में आपकी मदद करेंगे।'' राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा कि भाजपा का ''रावण'' जैसा चेहरा सामने आ गया है और उसके विधायक जब तक माफी नहीं मांगते उन्हें ''रावण कदम'' कहा जाएगा। उन्होंने कहा, ''खेद जताना और माफी मांगना अलग अलग चीजें हैं। राकांपा उनके खिलाफ प्रदर्शन और उन्हें ''रावण कदम'' कहना तब तक जारी रखेगी जब तक वह माफी नहीं मांगते। उनके माफी मांगने तक पूरे राज्य में प्रदर्शन किये जाएंगे।'' कदम एक वीडियो क्लिप में उक्त टिप्पणी करते हुए सुने गए थे। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी से छेड़छाड़ की गई है। उन्होंने देर मंगलवार को कहा कि मैंने भीड़ में खड़े एक व्यक्ति की पंक्ति को केवल दोहराया था वह मेरी पंक्ति नहीं थी। क्लिप मात्र 40 सेकंड में वायरल हो गई। यद्यपि मैंने बाद में कहा था कि सभी घरों में माताएं, बहनें और बेटियां लक्ष्मी हैं ।

कांग्रेस ने साधा प्रधानमंत्री नरेंद मोदी पर निशाना, शेयर किया पुराना वीडियो

नई दिल्ली। कांग्रेस ने डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में लगातार गिरावट और पेट्रोल-डीजल के दाम बढने को लेकर आज सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने वादों में विफल रहे हैं। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने मोदी के भाषण का एक पुराना वीडियो शेयर करते हुए कहा, ''रुपया 72 पर पहुंच गया। पेट्रोल-डीजल की कीमत अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। मोदी जी ने जो बातें की थीं उसमें वह विफल रहे।'' दरअसल, शुरुआती कारोबार में सुधार के लक्षण दिखाने के बाद बुधवार को भी रुपये में जल्द ही गिरावट देखी गई। डॉलर के मुकाबले यह 21 पैसे टूटकर 71.79 पर पहुंच गया। मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 37 पैसे टूटकर 71.58 पर बंद हुआ था।

पुंछ में सेना के जवान की हत्या के सिलसिले में एक महिला सहित दो गिरफ्तार

जम्मू । जम्मू के एक गांव में जमीन को लेकर हाथापाई के दौरान सेना के एक जवान के मारे जाने के करीब चार माह बाद पुलिस ने इस मामले में एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मोहम्मद अलयास और जैनब बी को कल मेंढर से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि सेना की ''डिफेन्स सिवस कॉर्प्स'' (डीएससी) यूनिट का जवान मोहम्मद मतलूब पांच मई को छजीला गांव में हाथापाई के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गया था। मतलूब ने 19 मई को अस्पताल में दम तोड़ दिया था। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि पुंछ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव पांडेय ने फरार आरोपियों को पकडने के लिए सहायक पुलिस अधीक्षक अनवार-उल हक की निगरानी में एक विशेष जांच दल गठित किया था। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

मलयालम उपन्यास 'मीशा' होगी प्रकाशित, उच्चतम न्यायालय ने बैन लगाने से किया इंकार

नेशनल डेस्क।

उच्चतम न्यायालय ने लेखक एस हरीश के मलयालम उपन्यास 'मीशा' को प्रतिबंधित करने से बुधवार को इन्कार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा, न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता एन राधाकृष्णन की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि किसी लेखक की कल्पना पर रोक नहीं लगायी जा सकती। लेखक की कल्पना को संरक्षण मिलना चाहिए। न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि संविधान में साफ स्पष्ट है कि किसी भी शख्स को अपने विचारों को रखने का अधिकार है। एक लेखक अपने चारों तरफ के वातावरण को देखता है, उसे अनुभव करता है और अपनी कल्पना को शब्दों के जरिये बयां करता है। आप किसी शख्स का विरोध तो कर सकते हैं लेकिन आपको उसे गलत ठहराने के लिए तार्किक आधार पर अपनी बात कहनी होगी। उल्लेखनीय है कि मलयालम लेखक एस हरीश के उपन्यास पर कुछ हिंदूवादी संगठनों को ऐतराज था। उपन्यास मीशा के कुछ अंश सोशल मीडिया में वायरल हो गए थे। जुलाई के दौरान 'मीशा' के तीन अध्याय मलयालम साप्ताहिक मातृभूमि में प्रकाशित हुए थे। लेकिन इसके बाद एस हरीश को हिंदूवादी संगठनों की धमकियां मिलने लगीं और उन्होंने 21 जुलाई को अपना उपन्यास वापस ले लिया। हालांकि इस फैसले के बाद केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन सहित राज्य के कई जाने-माने लेखक उनके समर्थन में आए थे।

दक्षिण कश्मीर में ट्रेन सेवाएं फिर से बहाल

श्रीनगर ।

दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा कारणों से मंगलवार को स्थगित की गयीं ट्रेन सेवाएं बुधवार को फिर से बहाल कर दी गयीं। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में आतंकवादियों के खिलाफ सोमवार को व्यापक तलाश अभियान को बाधित करने का प्रयास कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के सुरक्षा बलों को गोलियां चलानी पड़ी थीं जिसमें एक युवक की मौत हो गयी थी। इसके बाद सुरक्षा कारणों से ट्रेन सेवाएं बंद कर दी गयी थीं। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आज यहां बताया कि पुलिस की ओर से मिले ताजे मशविरे के बाद दक्षिण कश्मीर में सभी ट्रेनों का परिचालन बहाल कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मध्य कश्मीर के बडगाम.श्रीनगर से दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग-काजीगुंड तथा जम्मू क्षेत्र के बनिहाल के बीच सभी ट्रेनें निर्धारित समय पर चलेगी। इस मार्ग पर भारी भीड़ होती है क्योंकि जम्मू की ओर यात्रा करने वाले अधिकांश लोग बनिहाल तक जाना पसंद करते हैं। उत्तरी कश्मीर में पूर्व निर्धारित समय के हिसाब से सभी ट्रेनें चल रही हैं।

पंचायती चुनावों में भाग नहीं लेगी नैशनल कान्फ्रेंस

श्रीनगर।

नैशनल कान्फ्रेंस ने एक बड़ा फैसला लेते हुये अक्तूबर से होने वाले निकाय एवं पंचायती चुनावों में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। इस बारे में पार्टी के प्रधान और श्रीनगर से सांसद डा फारूक अब्दुल्ला ने स्वयं पत्रकारों को बताया। डा अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीर में चुनाव के लिए माहौल उचित नहीं है। पार्टी चुनावों में भाग नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी की कोर ग्रुप की बैठक में यह फैसला किया गया है कि पार्टी चुनावों से परे रहेगी। नैकां का कोई उम्मीदवार चुनाव में खड़ा नहीं होगा। गौरतलब है कि कश्मीर घाटी में आतंकियों और अलगाववादियों ने चुनावों के बहिष्कार का आहवान किया है। 2016 में संसदीय चुनावों में भी कश्मीर में काफी हिंसा देखने को मिली थी।

तरुण विजय के ट्वीट ने मचाया हड़कंप, प्रधानमंत्री का किया विरोध

नेशनल डेस्क।

मंगलवार रात सोशल मीडिया पर उस हड़कंप मच गया जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद तरुण विजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ ट्वीट किए। यही नहीं उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के पक्ष में भी ट्वीट किए। मामला सामने आने के बाद सभी ट्वीट्स डिलीट कर दिये गये। विजय ने अकाउंट हैक होने का दावा किया और सफाई दी कि वह एवं उनका परिवार श्री मोदी एवं भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के लिए प्राण न्यौछावर कर देंगे। विजय ने अपने ट्वीट में उनके प्रति विश्वास प्रकट करने वाले और गलत ट्वीटों पर विश्वास नहीं करने के लिए अपने शुभचिंतकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने सफाई दी कि उनके हैंडल से गलत ट्वीट तब हुए जब वह मकान बदल रहे थे। उनके पासवर्ड का दुरुपयोग किया गया और वह इसके लिए पुलिस में शिकायत दर्ज करा रहे हैं। उन्होंने पासवर्ड बदलने की भी जानकारी दी। एक टेलीविजन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार विजय ने कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष शाह के लिए ही जीएंगे और मरेंगे। वे हम जैसे छोटे कार्यकर्ताओं के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हैं। मैं और मेरा परिवार भाजपा के लिए दिन रात काम करेगा। मेरा परिवार भाजपा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर देगा। यह 2019 के पहले की साजिश है। कृपया मुझे भाजपा विरोधी तत्वों से बचाइये। इससे पहले विजय के ट्विटर हैंडल से पीएम मोदी के खिलाफ और कांग्रेस अध्यक्ष के पक्ष में लगातार कई ट्वीट किए गए। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने ये ट्वीट मिटा दिए। सबसे पहले राहुल गांधी की कैलाश मानसरोवर यात्रा के पक्ष में ट्वीट किया गया जिसमें लिखा गया कि जो लोग कैलाश यात्रा का मजाक उड़ा रहे हैं, ऐसा एक ड्रूक्षहदू को नहीं करना चाहिए। ये जो भी है राहुल और शिव के बीच में है, शिव से बड़ा कुछ भी नहीं है। मैं खुद तीन बार कैलाश जा चुका हूं। इसके बाद दूसरा ट्वीट प्रधानमंत्री को लेकर आया जिसमें कहा गया कि हैलो, तुम इसलिए वहां पर नहीं हो क्योंकि तुम लोकप्रिय हो। तुम इसलिए वहां हो, क्योंकि लोग तुम्हारे पीछे हैं। अपने घमंड को दूर करो, हे भगवान, तुम्हें ऐसा लगता है कि तुम लोकप्रिय हो। इन ट्वीटस के बाद विजय को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाने लगा जिसके बाद उन्होंने ट्वीट किया, वह अभी मॉर्निंग वॉक पर हैं, जो व्यक्ति उनका ट्विटर अकाउंट हैंडल करता था, उसे उन्होंने हटा दिया है। विजय के इन ट्वीटस के बाद कांग्रेस नेताओं ने भी उनपर टिप्पणियां कीं। कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया कि तरुण विजय जी, हौसला अपना बुलंद कर लीजिये। निर्भय होकर सच्चाई के साथ चलीये, राहुल गांधी जी की कैलाश यात्रा के लिए आपने जो कुछ लिखा, अपने हुक्मरानों के डर से उसे मिटाइये नहीं, सत्यम, शिवम सुंदरम, सत्य ही शिव है। महादेव आपको सत्य का रास्ता दिखाते रहेंगे व असत्य का नाश होगा।

गुटखा घोटाले में बड़ी कार्रवाई, सीबीआई ने तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री व के घर मारे छापे

नेशनल डेस्क। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री और पुलिस महानिदेशक के आवासों समेत राज्य में करीब 40 स्थानों पर सीबीआई ने गुटखा घोटाला के संबंध में बुधवार को छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि पूरे राज्य में तलाशियां जारी हैं। लेकिन अधिकारी ने इस बात की पुष्टि नहीं की गई कि किन स्थानों पर छापेमारी हुई है। उनका कहना है कि इससे अभियान प्रभावित हो सकता है। अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री सी विजयभास्कर और डीजीपी टीके राजेंद्रन के आवासों के साथ ही एक पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा अन्य के घरों पर तलाशी ली जा रही है। इस घोटाले का खुलासा आठ जुलाई, 2017 को उस समय हुआ था जब आयकर विभाग के अधिकारियों ने तमिलनाडु में पान मसाला और गुटखा उत्पादकों के गोदामों, कार्यालयों और आवासों पर छापे मारे थे। गुटखा उत्पादकों पर 250 करोड़ रुपये की आयकर चोरी के आरोप हैं। तमिलनाडु सरकार ने 2013 में गुटखा और पान मसाला समेत चबाने वाले तंबाकू के विभिन्न प्रकारों के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर रोक लगा दी थी। छापेमारी के दौरान विभाग ने एक डायरी जब्त की थी जिसमें उन लोगों के नाम लिखे हुए थे जिन्हें गुटखा उत्पादकों ने कथित तौर पर रिश्वत दी थी। द्रमुक के एक नेता की याचिका पर इस साल अप्रैल में मद्रास उच्च न्यायालय ने सीबीआई को यह मामला सौंप दिया था।

संपादकीय

भीड़ की हिंसा पर रोक

भीड़ की हिंसा पर रोक लगाने के उपाय सुझाने वाली सचिवों की एक समिति की रपट पर विचार करने के दौरान यदि वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री इस नतीजे पर पहुंचे कि गवाहों की सुरक्षा का कानून बनाया जाना चाहिए तो फिर यह काम प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि भीड़ की हिंसा के मामले बढ़ते चले जा रहे हैं। ये मामले न केवल कानून एवं व्यवस्था के समक्ष चुनौती खड़ी कर रहे हैं, बल्कि देश की बदनामी भी करा रहे हैं। गत दिवस ही सुप्रीम कोर्ट ने उन्मादी भीड़ की हिंसा के एक मामले की सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि इस घटना की जांच मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की देखरेख में की जाए। भीड़ की हिंसा के बढ़ते मामले कहीं न कहीं कानून हाथ में लेने की प्रवृत्ति को रेखांकित कर रहे हैं। ऐसे मामलों में आम तौर पर संदिग्ध बच्चा चोरों और पशु चोरों को निशाना बनाया जा रहा है। कई बार अन्य संदिग्ध लोग भी उन्मादी भीड़ का शिकार बन जाते हैं। इनमें कई तो संदिग्ध भी नहीं होते, लेकिन किसी कारण संदेह के दायरे में आ जाते हैं या फिर किसी अफवाह का शिकार हो जाते हैं। ऐसी अफवाहें फैलाने में सोशल मीडिया और खासकर वाट्सएप की भूमिका रहती है। इन कंपनियों का यह दायित्व है कि वे अफवाहों पर रोक लगाने को लेकर गंभीरता दिखाएं। यह ठीक नहीं कि इस मामले में सोशल मीडिया कंपनियां आनाकानी ही करती दिख रही हैं। ऐसी कंपनियों को जवाबदेही के दायरे में लाया जाना चाहिए, लेकिन यह भी ध्यान रहे कि केवल इतने से बात नहीं बनेगी। इसी तरह इसमें भी संदेह है कि केवल गवाहों की सुरक्षा का कानून बन जाने से उन्मादी भीड़ की हिंसा के मामले थमेंगे। 1यह सही है कि गवाहों की सुरक्षा देने वाले किसी कानून का निर्माण समय की मांग है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि भीड़ की हिंसा वाली घटनाओं में शामिल तत्व आम तौर पर कानून से भय ही नहीं खाते। यह भी किसी से छिपा नहीं कि इस तरह के मामलों की जांच और सुनवाई में लंबा समय लगता है। बीते एक साल में भीड़ की हिंसा के करीब 40 मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन शायद ही किसी में आरोपित को सजा सुनाई गई हो। बेहतर हो कि सचिवों की समिति की ओर से तैयार की गई रपट पर विचार कर रही वरिष्ठ मंत्रियों की समिति यह समडो कि भीड़ की हिंसा के मामलो का त्वरित निस्तारण ही इस तरह की घटनाओं की रोकथाम में प्रभावी सिद्ध होगा। किसी कारण किसी निदरेष या फिर संदिग्ध शख्स के प्रति भीड़ की हिंसा सभ्य समाज को शर्मिंदा करती है। निःसंदेह जहां कहीं भी कानूनों में कमी या फिर विसंगति हो तो उसे दूर किया जाना चाहिए, लेकिन यह ध्यान रहे तो बेहतर कि सक्षम कानून तभी असर दिखाते हैं जब उनके अमल की इच्छाशक्ति भी प्रदर्शित की जाती है। स्पष्ट है कि केंद्रीय मंत्रियों की समिति का मूल उद्देश्य एक और कानून बनाना ही नहीं, बल्कि उस पर प्रभावी तरीके से अमल की राह खोजना भी होना चाहिए।

बड़ी कठिन है डगर..

पाकिस्तान/ आशीष शुक्ला

अमेरिका, पाकिस्तान और चीन के बीच बढ़ती नजदीकियों को संदेह की दृष्टि से देखता है। पाकिस्तान अच्छे से जानता है कि अमेरिका जैसे देश को लंबे समय तक नाखुश रखना उसके लिए परेशानियों का सबब बन सकता है, लेकिन वह चीन से बढ़ती प्रगाढ़ता में भी कोई कमी नहीं करना चाहता। दोनों काम एक साथ करने का मतलब है तलवार की धार पर चलना। जहां तक दक्षिण एशिया का सवाल है, तो पाकिस्तान के अपने पश्चिमी और पूर्वी पड़ोसियों से अच्छे संबंध नहीं हैं। तमाम नियंतण्र उपायों के बावजूद अफगानिस्तान में हिंसा खत्म होने का नाम नहीं ले रही।

पाकिस्तान में 25 जुलाई को हुए आम चुनाव के परिणाम कई कारणों से महत्वपूर्ण हैं। अरसे बाद देश के लोकतांत्रिक पटल पर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पी.टी.आई.) नामक नई राजनीतिक ताकत का उदय हुआ है। पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं को पाकिस्तान में सैन्य शासन का कोई व्यक्तिगत अनुभव नहीं है, और अपने आप में यह किसी उपलब्धि से कम नहीं है। लेकिन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के पास इन उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए थोड़ा भी समय नहीं है। इसलिए कि पाकिस्तान के समक्ष चुनौतियों की लंबी फेहरिस्त है, जो बेहद मुश्किल हैं। जहां तक आंतरिक राजनीतिक स्थिरता का प्रश्न है, तो 342 सदस्यों वाली नेशनल असेंबली में पीटीआई के151 सदस्य हैं। सरकार रखनी है, तो उसे 21 अन्य सदस्यों की कमी पूरी करने के लिए कुछ छोटे दलों और अन्य निर्दलीय सदस्यों पर निर्भर रहना है। विपक्षी दलों विशेषकर पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के बीच एकजुटता की भारी कमी के कारण शायद ही पीटीआई सरकार को कोई समस्या होने वाली है। लेकिन यदि किसी भी मौके पर पीएमएल-एन, पीपीपी, मुत्तहिदा मजलिस-ए-अमल (एमएमए)-जिनके पास कुल 150 सदस्य हैं-और कुछ अन्य छोटे-मोटे दल अपने मतभेदों को भुलाकर साथ आ जाएं तो पीटीआई के लिए मुश्किलें पैदा कर सकते हैं। इनके अतिरिक्त भी कुछ अन्य बड़े सवाल हैं, जिनका जवाब जल्द से जल्द ढूंढ़ लिया जाना चाहिए। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बड़े संकट की ओर बढ़ रही है। चाहे लगातार बढ़ता वित्तीय घाटा हो, लगातार कम हो रहा फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व हो, या डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपये की गिर रही कीमत, आंकड़े भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं। इन स्थितियों के मद्देनजर चीन ने हाल में पाकिस्तान को दो बिलियन डॉलर के लोन देने की न केवल घोषणा की, बल्कि एक बिलियन से अधिक की राशि आनन-फानन में स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (पाकिस्तानी रिजर्व बैंक) को हस्तांतरित भी कर दी। लेकिन इसके बावजूद उसे आईएमएफ की शरण में जाना ही पड़ेगा। ट्रंप प्रशासन के लगातार कड़े होते रु ख से यह रास्ता भी कतई आसान नहीं रहने वाला है। अमेरिका पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह पाकिस्तान को आईएमएफ द्वारा ऐसे किसी भी बेलआउट का विरोध करेगा जिसका उपयोग चीन को फायदा पहुंचाने में हो। इस चुनाव में इमरान खान पाकिस्तानी सेना के चहेते बनकर उभरे हैं। कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि सेना उन्हें ही प्रधानमंत्री के पद पर देखना चाहती थी। विपक्षी दलों का यह आरोप भी है कि सेना ने इमरान खान की पार्टी को चुनाव पूर्व, चुनाव के दौरान और चुनाव के उपरांत काफी मदद की। अब चूंकि इमरान खान सत्ता के शीर्ष पर पहुंच चुके हैं, ऐसी स्थिति में उनके सामने ऐसी नीति अपनाने की चुनौती है, जिससे उनके और सेना के बीच किसी तरह का मतभेद सामने न आए। वह पाकिस्तानी लोगों के सामने सेना द्वारा नियंत्रित होते हुए न प्रतीत हों वैसे तो किसी देश की विदेश नीति उस देश के राष्ट्रीय हितों को हासिल करने का जरिया होती है, लेकिन पाकिस्तान जैसे देश में वह एक संस्था विशेष की बपौती बन गई है। ऐतिहासिक रूप से पाकिस्तान की सेना ने पाकिस्तान की विदेश नीति के महत्वपूर्ण भागों को न केवल प्रभावित किया है, बल्कि अक्सर नियंत्रित भी किया है। पाकिस्तान की नई सरकार के सामने विदेश नीति पर नई छाप छोड़ने की चुनौती है। वह कितना सफल होगी, यह तो समय के गर्भ में है। यहां वर्तमान समय में विदेश नीति के संदर्भ में उपस्थित और भावी चुनौतियों का जिक्र करना उपयुक्त होगा। नियंतण्र पटल पर लगातार बदल रहीं भू-राजनीतिक और भू-रणनीतिक स्थितियों ने पाकिस्तान के समक्ष चुनौतियों का पहाड़ खड़ा कर दिया है। एक तरफ तो आतंकवाद को समर्थन देने और उसके विरु द्ध प्रभावी कार्रवाई न करने के कारण अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग पड़ने की चुनौती है, तो दूसरी तरफ अमेरिका से द्विपक्षीय संबंधों में लगातार आ रही गिरावट नई परेशानी का सबब है। पिछले महीने माइक पोम्पियो, अमेरिकी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट, और इमरान खान के बीच टेलीफोन वार्ता हुई जिसमें उन्होंने आतंकवाद के मुद्दे पर कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद, बीते एक सितम्बर को पेंटागन ने पाकिस्तान को 300 मिलियन डॉलर की सहायता यह कहते हुए राशि रोक दी कि वह पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठनों, जिनमें हक्कानी नेटवर्क और लश्कर-ए-तैयबा शामिल हैं, के खिलाफ बिना भेदभाव के कार्रवाई नहीं कर रहा है। वाशिंगटन ने यह भी स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान अच्छे रिश्ते चाहता है, तो उसे अफगानिस्तान में अमेरिकी रणनीति का समर्थन करना ही होगा। इसी क्रम में माइक पोम्पियो का हालिया दक्षिण एशिया दौरा बहुत महत्वपूर्ण रहने वाला है, जिस दौरान वह पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर आड़े हाथों लेंगे। अमेरिका, पाकिस्तान और चीन के बीच बढ़ती नजदीकियों को संदेह की दृष्टि से देखता है। पाकिस्तान अच्छे से जानता है कि अमेरिका जैसे देश को लंबे समय तक नाखुश रखना उसके लिए परेशानियों का सबब बन सकता है, लेकिन वह चीन से बढ़ती प्रगाढ़ता में भी कोई कमी नहीं करना चाहता। दोनों काम एक साथ करने का मतलब है तलवार की धार पर चलना। जहां तक दक्षिण एशिया का सवाल है, तो पाकिस्तान के अपने पश्चिमी और पूर्वी पड़ोसियों से अच्छे संबंध नहीं हैं। तमाम नियंतण्र उपायों के बावजूद अफगानिस्तान में हिंसा खत्म होने का नाम नहीं ले रही। बहुत से विश्लेषकों का मानना है कि जब तक पाकिस्तान, अफगानिस्तान के प्रति नीति में बदलाव नहीं करेगा और आतंकी संगठनों को प्रश्रय देना बंद नहीं करेगा, तब तक अफगानिस्तान में शांति की स्थापना नहीं हो पाएगी। पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने अपनी पहली पत्रकार वार्ता में कहा था कि बातचीत के माध्यम से ही भारत से रिश्तों में सुधार आएगा। जहां तक भारत का संबंध है, वह हमेशा से ही सार्थक बातचीत के लिए तैयार है। समस्या यह है कि क्या पाकिस्तान भारत की चिंताओं को गंभीरता से लेगा! उसके हिसाब से अपनी नीतियों में जरूरी बदलाव करेगा! यदि इसका जवाब हां है, तो भारत पाकिस्तान के साथ सार्थक बातचीत के लिए तैयार मिलेगा वरना रिश्तों में सुधार की संभावनाएं दिन-प्रतिदिन क्षीण होती चली जाएंगी।

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वस्तु एवं सेवा शुल्क उपकर उपहार से कम नहीं

ए के भट्टाचार्य

वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 23 अगस्त को फिर से वित्त मंत्रालय का कामकाज संभाल लिया। बड़े ऑपरेशन के कारण वह तीन महीने तक नॉर्थ ब्लॉक के कामकाज से दूर रहे। किसी सरकार के कार्यकाल में तीन महीने का समय भले ही मामूली अवधि हो लेकिन जेटली के लिए यह लंबा समय लगता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था के व्यापक आर्थिक सिद्धांतों में उल्लेखनीय बदलाव आए हैं। इनसे नई चुनौतियां और कुछ नए अवसर भी उभरे हैं। अप्रैल के अंत में तेल की कीमतें (भारतीय बास्केट) प्रति बैरल 70 डॉलर के आसपास थीं। आज इसमें छह फीसदी उछाल आ चुकी है और यह 74 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। पिछले तीन महीने में भारतीय रुपये की विनिमय दर में चार फीसदी से अधिक की कमी आई है। मई में रुपया डॉलर के मुकाबले 68 के स्तर पर था और अब 71 पर पहुंच चुका है। मई तक निर्यात में तेजी आनी शुरू हो गई थी। निर्यात लगातार बढ़ रहा है लेकिन अब आयात भी तेजी से बढऩे लगा है जिसके कारण जुलाई में व्यापार घाटा पांच साल के रिकॉर्ड स्तर 18 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। कुछ आकलनों के मुताबिक इस साल चालू खाते का घाटा तीन फीसदी के स्तर तक पहुंच सकता है। वर्ष 2017-18 में यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.9 फीसदी रहा था। ये सभी क्षेत्र जेटली के समक्ष नीतिगत मुश्किलें पैदा करेंगे। उन पर डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट को थामने और आयात शुल्क बढ़ाने का दबाव होगा। अगर वह इस तरह के दबाव के आगे झुकते हैं तो इसके प्रतिकूल परिणाम होंगे जो अर्थव्यवस्था के लिए और बड़ी मुश्किलें पैदा करेंगे। न तो मजबूत रुपया और न ही संरक्षणवादी उपाय भारतीय निर्यात को पटरी पर ला सकते हैं अथवा भुगतान संतुलन को दुरुस्त कर सकते हैं। बाद में निर्यात की जाने वाली आयातित वस्तुओं के मूल्य संवर्द्धन से घरेलू विनिर्माण को होने वाले संभावित नुकसान को ध्यान में रखते हुए सरकार को आयात शुल्क बढ़ाने के प्रलोभन से बचना चाहिए। रुपये की गिरावट से निर्यात में मदद मिलेगी लेकिन जेटली को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि बाजार में अस्थिरता की स्थिति पैदा किए बिना इसका इंतजान किया जाना चाहिए और साथ ही देश में निर्यात के बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए पर्याप्त उपाय किए जाने चाहिए। तेल के मोर्चे पर जेटली के पास और भी सीमित विकल्प होंगे क्योंकि ईरान से आपूर्ति बाधित होने से अनिश्चितता और गहरा रही है। यह चुनावी वर्ष है। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से सरकार पर उर्वरकों और पेट्रोलियम पदार्थों की सब्सिडी का बोझ बढ़ सकता है। अगर चुनावी मजबूरी के कारण इन उत्पादों की खुदरा कीमत नहीं बढऩे दी गई तो सरकार का राजकोषीय घाटा बढ़ सकता है। इस साल के अंत में चार अहम राज्यों में चुनाव होने हैं और फिर अगले साल आम चुनाव होंगे। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के प्रभाव को कम करने के लिए वित्त मंत्री पर पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती करने का भी दबाव होगा। प्रति लीटर पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में एक रुपये की कमी से सरकार के राजस्व में कम से कम 260 अरब रुपये की कमी आएगी। जेटली ने राजकोषीय घाटे को जीडीपी का 3.3 फीसदी रखने का लक्ष्य रखा है लेकिन उत्पाद शुल्क में कटौती से इन लक्ष्य को हासिल करना मुश्किल हो जाएगा। विनिवेश से होने वाली कमाई तथा लाभांश और मुनाफे से आने वाला गैर कर राजस्व भी इसी तरह की चुनौतियां पेश करेंगे। जुलाई के अंत तक सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में अपनी हिस्सेदारी के विनिवेश से केवल 92 अरब रुपये ही जुटा सकी जबकि इसके लिए सालाना लक्ष्य 800 अरब रुपये निर्धारित किया गया है। एयर इंडिया के निजीकरण की योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, इसलिए सरकार के लिए यह लक्ष्य हासिल करना मुश्किल है। सार्वजनिक क्षेत्र के कई उपक्रमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और यहां तक कि भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) ने भी इस वर्ष कोई लाभांश नहीं देने की घोषणा की है। ऐसी स्थिति में लाभांश और मुनाफे से 1.07 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य हासिल करना भी मुश्किल लग रहा है। राजकोषीय समेकन के मोर्चे पर सरकार को अच्छी खबर केवल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था से ही मिली है। इसका कारण जीएसटी संग्रह नहीं है जिसकी विकास दर अब भी कमजोर है। जेटली को राजस्व लक्ष्य हासिल करने में जीएसटी क्यों मददगार होगा, इसका कारण जीएसटी मुआवजा उपकर से संबंधित कानून में किया गया एक संशोधन है। पिछले महीने की शुरुआत में सरकार ने जीएसटी मुआवजा उपकर से संबंधित विशेष कानून में संशोधन किया था। इससे सरकार को अधिशेष संग्रह को भारत की समेकित निधि में रखने और राज्यों के साथ 50:50 के अनुपात में साझा करने के बाद मौजूदा वर्ष में ही इसके इस्तेमाल की अनुमति मिल गई। पहले यह प्रावधान था कि मुआवजा उपकर अधिशेष को सरकारी खाते में रखा जाना चाहिए और 2022 से पहले इसका इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो सरकार और राज्य 2022 तक इंतजार करने के बजाय अब उपकर अधिशेष का इस्तेमाल 2018-19 में ही कर सकते हैं। यह जेटली के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। जीएसटी के जुलाई 2017 से मई 2018 तक के आंकड़ों के मुताबिक करीब 40 फीसदी उपकर अधिशेष है। जुलाई 2017 से मार्च 2019 तक कुल 1.51 लाख करोड़ जीएसटी मुआवजा उपकर संग्रहीत होने का अनुमान है। इस तरह केंद्र और राज्य इस वित्त वर्ष के दौरान करीब 600 अरब रुपये अधिशेष साझा कर सकेंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो जेटली के पास जीएसटी संग्रह में कमी की चिंता करने के बजाय 300 अरब रुपये की गुंजाइश होगी।

विचार मंथन

बढ़ती कारों का काफिला रोक कर ही बढ़ेगी हमारी रफ्तार

जयंतीलाल भंडारी, अर्थशास्त्री

इन दिनों दुनिया भर में भारत के शहरों में बढ़ती हुई कारों से बढ़ते हुए पेट्रोल-डीजल के उपभोग, बढ़ते ट्रैफिक जाम और बढ़ते प्रदूषण पर लगातार अध्ययन और रिपोर्ट प्रकाशित हो रही हैं। नीति आयोग ने भी इसे लेकर एक रिपोर्ट तैयार की है, जिसमें ज्यादा प्रदूषित शहरों में निजी कारों के इस्तेमाल पर उपयोग सरचार्ज यानी कंजेशन शुल्क लगाने की सिफारिश की गई है। आयोग को उम्मीद है कि इससे निजी वाहनों का इस्तेमाल कम होगा और प्रदूषण घटेगा। विश्व बैंक की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के शहर कारों की बढ़ती संख्या से पैदा हो रही परेशानियों से निपट पाने में सक्षम नहीं हैं। दूसरी तरफ विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कानपुर, फरीदाबाद, गया, वाराणसी, पटना, दिल्ली, लखनऊ, आगरा, गुरुग्राम व मुजफ्फरपुर भारत के 10 सबसे प्रदूषित शहर हैं। यहां प्रदूषणजन्य बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं। विज्ञान एवं पर्यावरण मंत्रालय से संबद्ध संसदीय समिति के अनुसार, दिल्ली में शहरीकरण और बढ़ते वाहनों के प्रदूषण से 2013 से 2017 के बीच 17 लाख लोग सांस की बीमारी के शिकार हुए हैं। इस समय दुनिया के विकासशील देशों में सबसे अधिक कारें भारत में हैं। जुलाई 2018 के अंत में देश की सड़कों पर लगभग ढाई करोड़ कारें दौड़ रही थीं। देश में प्रतिमाह करीब दो लाख से अधिक कारों की बिक्री हो रही है। देश में जहां कारों का ढेर लगता जा रहा है, वहीं देश में बसों की संख्या बहुत कम है। देश में करीब 19 लाख 70 हजार बसें हैं। इनमें से 18 लाख 30 हजार निजी क्षेत्र में और 1 लाख 40 हजार सरकारी क्षेत्र में हैं। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के आकलन के अनुसार, छोटी कारों की कम कीमत तथा सरलता से उपलब्ध बैंक लोन के कारण दोपहिया से उठकर चार पहिया वाहन की सवारी करने के इच्छुक लोगों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। हालत यह है कि इसके कारण सड़कें अक्सर जाम रहती हैं और पार्किंग में आमतौर पर जगह नहीं मिलती। अब हमें तय करना है कि हम वर्तमान पीढ़ी को कैसा पर्यावरण देना चाहते हैं और अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए कैसी विरासत छोड़ते हैं। स्पष्ट है कि कारें भारतीय सामाजिक जीवन का भविष्य नहीं हो सकती हैं। इसलिए देश के सभी शहरों में सार्वजनिक परिवहन की कारगर व्यवस्था पर विचार मंथन जरूरी है। इस समय देश में पांच हजार छोटे-बड़े शहरों में से एक प्रतिशत शहरों में भी सार्वजनिक परिवहन की भरोसेमंद और पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। शहरी यातायात नियोजन विभाग की एक रिपोर्ट के अनुरूप हमारे देश में दिल्ली और बेंगलुरु के 27 फीसदी कामकाजी और लखनऊ के केवल 11 फीसदी कामकाजी लोग ही काम पर जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करते हैं, जबकि दुनिया के अधिकांश विकसित और विकासशील देशों में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली से आने-जाने वालों की संख्या इससे कहीं ज्यादा है। लंदन में 45 फीसदी और सिंगापुर में 59 फीसदी लोग सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का ही उपयोग करते हैं। हम सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की बेहतरी और प्रदूषण से मुक्ति के लिए दुनिया के कई बड़े शहरों से सबक ले सकते हैं। लंदन में इसके लिए 2003 से कारों पर कंजेशन चार्ज लगाने की शुरुआत हुई और अब वहां हर कार पर प्रतिदिन 1,025 रुपये चुकाने पड़ते हैं। स्वीडन के स्टॉकहोम, इटली के मिलान तथा सिंगापुर में भी कंजेशन चार्ज लगता है। हमारे देश में, खासतौर से प्रदूषित एवं ट्रैफिक जाम से बेहाल शहरों में सड़कों पर चलने वाली निजी कारों पर कर वसूला जाना चाहिए। नीति आयोग ने भी यही कहा है कि ऐसे विकल्पों पर तुरंत काम करना शुरू कर दिया जाना चाहिए, ताकि देश भर में वर्ष 2022 तक ज्यादा प्रदूषण वाले शहरों में हर जगह पहुंच सकने वाला इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्ट शुरू किया जा सके। हालांकि पूरे देश में इसकी शुरुआत इतनी आसान नहीं है। नीति आयोग की सिफारिशों को जमीन पर उतारने के लिए जिस इच्छाशक्ति की जरूरत है, वह फिलहाल कहीं दिख नहीं रही। न इस पर बहुत चर्चा ही हो रही है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

संक्षिप्त

जिला अस्पताल में बंदरों का आतंक

कौशांबी, संयुक्त जिला अस्पताल परिसर में बने सरकारी आवास में इन दिनों बंदरों का आतंक ने दहशत फैला रखी है। सप्ताह भर के भीतर कालोनी में रह रहे स्वास्थ्य कर्मियों के दर्जन भर बच्चों पर बंदर हमला कर घायल कर दिया। इसकी सूचना वन विभाग के अफसरों को दी लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिला अस्पताल परिसर में इन दिनों बंदरों का आवारा आतंक सिर चढ़कर बोल रहा है। बंदरों के झुंड में तीन बंदर ऐसे हैं जो बच्चों को देखते ही उन पर हमला बोल देते हैं। जिला अस्पताल परिसर के कालोनी में रह रहे स्वास्थ्य कर्मियों की बेटियां कासवी, हैपी, रुद्राक्षी, रेखा, संगीता, रिदिमा, गोलू व साक्षी समेत दर्जन भर बच्चों पर सप्ताह भर के भीतर बंदरों ने हमला बोला। इससे वह घायल हो गए।

मंदिर में लगी आग

रतसर (बलिया), गड़वार थाना क्षेत्र के रतसर कलां के हरिराम ब्रह्म बाबा मंदिर के पास स्थित संत रैदास के झोपड़ीनुमा मंदिर में बुधवार को अपराह्न अबूझ हाल में आग लग गई। इस अगलगी में झोपड़ी और उसमें रखा सामान व रजाई जल कर राख हो गया। झोपड़ी के ध्वस्त होने से रैदास जी की मूर्ति की एक बांह टूट गई है। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने पास स्थित गड़ही से पानी फेंककर आग को फैलने से रोका।

सांड़ से मोटर साइकिल भिड़ी, महिला की मौत

संजयगंज (फैजाबाद),मां को मोटरसाइकिल से इलाज के लिए रुदौली से फैजाबाद ले जा रहे युवक की मोटरसाइकिल अचानक हाइवे पर आए सांड से भिड़ गई और पीछे बैठी महिला को गंभीर चोटें आईं। अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई। मंगलवार को धनीराम पुत्र बंशीलाल (25) निवासी बिड़हार रुदौली से अपनी मां केसारा देवी (55) के इलाज के लिए फैजाबाद जा रहा था। अरकुना के पास मोटरसाइकिल के सांड़ से भिड़ंत में मां-बेटे घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से मां और बेटे को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

गिरा कच्चा मकान वृद्ध दंपति बेघर

घोसी (मऊ), नगर से सटे पकड़ी मार्ग स्थित सोमारीडीह गांव में धर्मवीर राजभर का कच्चा मकान बुधवार की सुबह गिर गया। दो दिनों तक हुई बरसात के चलते मकान काफी जर्जर हो चला था। मंगलवार की शाम एक तरफ का हिस्सा तनिक सा गिरा पर अन्य ठिकाना न होने के चलते धर्मवीर अपनी पत्नी धर्मदेई संग उसी में रहा। संयोग अच्छा था कि घर गिरने के दौरान दंपति बाहर थे। तीनों पुत्रों के अलग रहने के कारण वृद्ध दंपति बहरहाल बेघर हो गए हैं। उधर मकान गिरने से अनाज एवं भूसा एवं बर्तन सहित गृहस्थी का समस्त सामान नष्ट हो गया। तहसीलदार ओमप्रकाश पांडेय ने लेखपाल के सर्वे के बाद नियमानुसार सहयोग किए जाने का आश्वासन दिया है।

करंट से मजदूर की मौत

औराई (भदोही), कोतवाली क्षेत्र के जयरामपुर गांव में एक निजी कंपनी के टावर में काम कर रहे सुशील विश्वकर्मा नामक मजदूर गंभीर रूप से झुलस गया। जानकारी होते ही परिवार के लोग आनन- फानन उसे स्थानीय चिकित्सालय में इलाज के लिए जब तक ले जाते, तब तक उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। औराई कोतवाली क्षेत्र के जयरामपुर के सुशील विश्वकर्मा (22) गांव में ही स्थित एक निजी कपंनी के टावर में मशीन चलाने का काम करता था।

दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

ओबरा (सोनभद्र), स्थानीय चूड़ीगली निवासी वेद प्रकाश वाजपेयी ने ओबरा थाने में अपनी पुत्री के ससुराल वालों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। थाने में दी गई तहरीर में श्री वाजपेयी ने बताया है कि उनकी पुत्री स्मिता मिश्रा का विवाह इलाहाबाद स्थित करैली में सुदीप मिश्र के साथ 2017 में हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया है कि ससुराल में उनकी पुत्री के साथ पति, सास, ननद, ससुर एवं जेठ दहेज की मांग को लेकर अक्सर मारपीट करते हैं। पुलिस ने तहरीर पर पति सुदीप मिश्र, सास माया देवी, ननद वंदना एवं रिचु, ससुर रविशंकर तथा जेठ संदीप मिश्र के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

बसों के इंतजार में टकटकी लगाना मजबूरी

संतकबीर नगर, जनपद सृजन के 21 वर्ष बाद भी परिवहन सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। परिवहन की बेहतर सुविधा केवल फोर लेन पर है, ग्रामीण क्षेत्र के सड़कों पर बस संचलन चिंता किसी जिम्मेदार ने नहीं की। यहां बस स्टेशन न बनने से समस्या है। सड़क पर बसों के इंतजार में टकटकी लगाना मजबूरी बनी हुई है। जनपद मुख्यालय पर एक दशक से प्रस्तावित बस स्टेशन का निर्माण अभी तक नहीं हो पाया है। करीब चार दशक पूर्व स्थापित परिवहन निगम का दफ्तर विभागीय अदूरदर्शिता के चलते उजाड़ पड़ा है। बारह वर्ष पूर्व स्टेशन परिसर पुलिस लाइन में तब्दील कर दिया गया। वैकल्पिक व्यवस्था के तहत मेहदावल बाईपास पर रोडवेज कार्यालय एक छोटे से कमरे में खोला गया है। अव्यवस्था तथा फोरलेन सड़क निर्माण में कार्यालय पूरे वर्ष उजड़ता-बसता रहा, जिससे यात्रियों को भारी दुर्गति झेलनी पड़ी।

सड़क धंसने से राहगीरों को दिक्कत

महराजगंज, विकास क्षेत्र मिठौरा के मधुबनी निचलौल मार्ग में चौराहे से थोड़ी ही दूरी पर बारिश की वजह से सड़क धंस जाने से आने जाने वाले राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत मधुबनी से निचलौल जाने वाली मार्ग आज मधुबनी नहर के पुल के पास धंस जाने से चार पहिया वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। बीच सड़क में हुआ गड्ढा बड़े दुर्घटनाओं को दावत दे रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल विभागीय अधिकारियों से मरम्मत कराने की मांग की है। कई दिनों तक हुई बरसात के चलते मधुबनी नहर के समीप सड़क के बीच में बड़ा होल हो जाने से आवागमन में ग्रामीणों को खासी मशक्कत करना पड़ रहा हैं।लोगों का कहना है कि अगर प्रशासन समय रहते ध्यान नहीं दिया तो यहां कभी भी बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

मिशन मोदी अगेन पीएमः देश के ३५० लोकसभा क्षेत्रों में घूमेगा मोदी रथ-वेदांती

फैजाबाद, नरेंद्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने के लिए देश के 350 लोकसभा क्षेत्रों में मोदी रथ घूमेगा। इस रथ की कमान 'मिशन मोदी अगेन पीएम' के अध्यक्ष पूर्व सांसद डा. रामविलासदास वेदांती के हाथों में होगी। उनके नायब की भूमिका में संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष रामगोपाल काका होंगे। यात्रा की शुरुआत नगरी की प्रतिष्ठित पीठ मंत्रार्थ मंडपम में राममंदिर के लिए आयोजित तीन दिवसीय अनुष्ठान की पूर्णाहुति के साथ 24 अक्टूबर को होगी। यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए रामनगरी के सभी प्रमुख संत-महंत मौजूद रहेंगे। यात्रा 108 दिनों तक चलेगी और इस दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, हिमांचल प्रदेश तथा उत्तराखंड में पड़ने वाले लोकसभा क्षेत्रों में भ्रमण करेगी। इस दौरान प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र बनारस सहित देश की चुनिंदा तीर्थ नगरियों में सात से आठ सभाएं भी प्रस्तावित हैं। सभाओं में डा. वेदांती एवं काका के अलावा वेदांती के उत्तराधिकारी डा. राघवेशदास सहित

जगद्गुरु रामभद्राचार्य, शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जैसे संत, संबंधित प्रांतों के चुनिंदा संत तथा सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी विभूतियां विचार व्यक्त करेंगी। मिशन मोदी अगेन पीएम के कार्यकारी अध्यक्ष रामगोपाल काका के अनुसार मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाए जाने का आह्वान किए जाने के साथ इस सच्चाई पर जोर होगा कि मोदी के काल में देश की विभिन्न क्षेत्रों में जो साख बढ़ी है, वह सिलसिला आगे भी कायम रहना चाहिए। काका कहते हैं कि अकेले एक क्षेत्र में नहीं अनेकानेक क्षेत्रों में देश की तस्वीर बदली है और यह सच्चाई जमीनी स्तर तक व्याप्त हो, यात्रा का यही मकसद है। मिशन मोदी अगेन पीएम के प्रांतीय अध्यक्ष डा. राघवेशदास ने बताया कि यात्रा में 108 वाहन और पांच सौ से अधिक लोग चलेंगे। इस दौरान न केवल विश्व वेदांत संस्थान के केंद्रीय महामंत्री स्वामी आनंद के संयोजन में अनुष्ठान की पूर्णाहुति के साथ यात्रा की शुरुआत होगी बल्कि जिस लोकसभा क्षेत्र से मोदी रथ गुजरेगा, वहां भी मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने एवं राष्ट्रमंगल के उद्देश्य से अनुष्ठान संपादित होगा।

कांग्रेस सत्ता में आती है तो राफेल पर राष्ट्रीय जांच कमीशन का होगा गठन-आनंद शर्मा

वाराणसी, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद आनंद शर्मा ने कहा है कि राफेल डील स्कैम और नोटबंदी देश के सबसे बड़े घोटाले हैं। आने वाले वक्त में जनता को इसका अंदाजा हो जाएगा। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में आनंद शर्मा ने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो राफेल पर राष्ट्रीय जांच कमीशन का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राफेल घोटाला अब तक का सबसे बड़ा घोटाला है। मोदी सरकार इस मामले को किसी भी तरह से जेपीसी के पास भेजने के लिए तैयार नहीं है। राफेल और नोटबंदी के मुद्दे पर शर्मा ने कहा कि अगर इस मामले में सुप्रीम कोर्ट खुद संज्ञान लेता है तो अच्छी बात होगी। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 2019 में उनकी पार्टी

की सरकार जब सत्ता में आएगी तो वह राफेल डील विवाद की जाच के लिए राष्ट्रीय जांच कमीशन बनाएंगे। उन्होंने कहा कि इस घोटाले की पूरी जांच करवाकर हम जिम्मेदारी तय करेंगे। कैसे 126 विमानों की डील को कम कर 36 विमानों की डील कर दिया जाता है और विमान बनाने का कान्ट्रेक्ट एचएएल के बजाए एक निजी कंपनी को दे दिया जाता है। इसके अलावा 526 करोड़ की पहले की डील दोबारा 1670 करोड़ की हो जाती है। आनंद शर्मा ने कहा कि एक ऐसी कंपनी को राफेल की डील दे दी जाती जिसे विमान बनाने का बिल्कुल अनुभव नहीं है। ऐसा प्रधानमंत्री की मर्जी से ही हुआ है। आनंद शर्मा ने कहा कि आरबीआई की रिपोर्ट बताती है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश से झूठ बोला था। कुछ कारपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने के लिए ऐसा किया गया है।

शिक्षक ज्ञान के प्रकाश से समाज को करते हैं आलोकित

चंदौली, देश के दूसरे राष्ट्रपति सर्वपल्ली डा. राधाकृष्णन की जयंती जिले में हर्षोल्लास से मनाई गई। जगह-जगह उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित भी किया गया। वक्ताओं ने कहा शिक्षक राष्ट्र निर्माता यूं ही नहीं कहा जाता है। वह छोटे-छोटे बच्चों में ऐसे संस्कारों का विकास करता है जो बड़े होकर देश के कर्णधार बनते हैं। उनके पदचिन्हों पर चलने से ही राष्ट्र का भला होगा और उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। महेंद्र टेक्निकल इंटर कालेज में आयोजित समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षक रामसकल, रूपनारायण प्रसाद, मजीद, प्रेमशंकर पांडेय, रमेशनंद उपाध्याय, श्याम बिहारी उपाध्याय को पीडीडीयू नगर विधायक साधना सिंह ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा सादा जीवन उच्च विचार के पोषक सेवामुक्त शिक्षक प्रकाश के स्तंभ रहे हैं। इनके कार्यों की छाप, विद्यालय, विद्यार्थियों, अभिभावकों व समाज पर अंकित है, जो अमिट है। एमटीआईसी के प्रधानाचार्य डा. रामचंद्र शुक्ल ने कहा शिक्षक पूजनीय है, वंदनीय है। यह कभी रिटायर नहीं होते, जीवनपर्यंत अपने ज्ञान के माध्यम से बच्चों और समाज को अलौकिक करते रहते हैं। इस दौरान आनंद कुमार सिंह,डा. उमेश सिंह, चंद्रशेखर आजाद, डा. जय सिंह, बृजेश सिंह, वीरेंद्र यादव, सुधीर सिंह आदि मौजूद थे।

मटकी तोड़ने में विद्यालय का छज्जा गिरा, एक छात्रा की मौत

देवरिया, जनपद के गौरीबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम मदैना प्राथमिक विद्यालय में मटकी की रस्सी खींचते वक्त विद्यालय का छज्जा गिर गया। इसके मलबे में दो छात्राएं दब गईं, इसमें एक छात्रा की मौत हो गई जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। बेसिक शिक्षा अधिकारी एसकेडी पांडेय समेत अन्य अधिकारी विद्यालय व अस्पताल पहुंचकर घायल छात्रा का हाल जाना तथा घटना की जानकारी ली। उक्त

प्राथमिक विद्यालय के छज्जा पर झंडारोहण के लिए छोटा सा पिलर बनाया गया था। उसी पिलर पर मटका टांगा गया था। बुधवार को विद्यालय के छात्र मटका फोड़ने के लिए रस्सी खींच रहे थे। इसी बीच छज्जा गिर गया और विद्यालय की कक्षा पांच की छात्रा प्रियंका पुत्री रघुनाथ व कक्षा चार की छात्रा जैनफ पुत्री रईस घायल हो गईं प्रधानाध्यापक दीपक सिंह घायल दोनों छात्राओं को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गौरीबाजार ले गए, यहां से चिकित्सकों ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में प्रियंका ने दम तोड़ दिया जबकि जैनफ का इलाज चल रहा है। घटना के बाद मौके पर पहुंचे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सत्येन्द्र कुमार देव पांडेय ने कहा कि गांव के लोगों ने बिना किसी से अनुमति लिए मटकी तोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया था। इस कारण यह हादसा हुआ। ग्रामीणों के खिलाफ तहरीर दी जाएगी। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

झाड़ियों में मिली नवजात

खुटहन (जौनपुर), दो पुत्रों से आच्छादित दंपति ने पिलकिछा पुल के नीचे झाड़ियों में फेंकी गई नवजात लावारिस बच्ची को अपनी पुत्री के रूप में स्वीकार कर एक आदर्श प्रस्तुत कर दिखाया। तिलवारी गांव में बुधवार को गांव के कुछ लड़के बकरी चरा रहे थे। तभी उन्हें झाड़ियों के भीतर से किसी नवजात के रोने की आवाज सुनाई दी। नवजात को झाड़ियों से बाहर निकाल इसकी सूचना ग्रामीणों को दी गई। बच्ची लगातार रोए जा रही थी। नवजात का रोना, वहां पहुंचे इसी गांव निवासी संजय प्रजापति और उनकी पत्नी बिन्दू देवी को बर्दाश्त नहीं हुआ तो दोनों आगे बढ़ बच्ची को गोद में ले लिए। वे वहां से नवजात को लेकर अस्पताल आ गए। जहां चिकित्सक ने उसे स्वस्थ बताया। दंपति नवजात को लेकर घर चले गए।

मकान से नकदी समेत लाखों का सामान चोरी

आजमगढ़, मुबारकपुर थाना क्षेत्र के नरांव गांव में रात को चोर एक ही मकान में तीन स्थानों से नकब लगाकर अंदर घुस गए। चोरों ने घर में रखे नकदी समेत लगभग दो लाख से अधिक के कीमती सामान उठा ले गए। बुधवार की सुबह घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए मुबारकपुर थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है। नरांव गांव निवासी महेंद्र प्रसाद गोंड के परिजन मंगलवार की रात को भोजन कर घर के बाहर सो रहे थे। परिजन का अनुमान है कि रात में लगभग आठ-दस की संख्या में आए चोर मकान के पिछले हिस्से में तीन स्थानों पर नकब लगाकर अंदर घुस गए। घर में रखे 18 हजार रुपये नकदी, 90 हजार रुपये के सोने चांदी के जेवर, आठ कुंतल गेहूं, चावल, कीमती कपड़ा व बक्सा आदि सामान उठा ले गए। पीड़ित महेंद्र का कहना है कि चोरी हुए जेवर उसकी पत्नी व पुत्र वधू और पुत्री का था।

स्टेट बैंक के सीएसपी संचालक को गोली मार कर लाखों रुपये की लूट

गोंडा, थाना कटरा बाजार क्षेत्र के ग्राम पहाड़ापुर में भारतीय स्टेट बैंक की फ्रेंचाइजी सीएसपी संचालक की

बदमाशों ने गोली मारकर करीब दो लाख रुपये से अधिक का कैश लूट लिया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने करनैलगंज कटरा बाजार मार्ग को जामकर पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इससे करीब तीन घंटे तक जाम लगा रहा। ग्रामीण लुटेरों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। घायल सीएसपी संचालक को ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटरा बाजार में भर्ती कराया जहां से उसकी हालत गंभीर देख उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि बदमाशों ने उसे एक गोली सर पर और दूसरी गोली उसके पैर पर मारी जिससे वह गंभीर रूप से घायल है। सीएसपी संचालक रोहित मिश्रा पहाड़ापुर बैंक के बगल स्थित आवास से बाहर निकल कर करनैलगंज में सीएसपी खोलने के लिए निकला था। इसी बीच अपाचे सवार तीन बदमाशों ने रोहित को गोली मार कर कैश लूट लिया। गोली पैर व सिर में लगी। घायल सीएसपी संचालक को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। लोगों में पुलिस के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश है।

तेजीबाजार में भी दिखा भारत बंद का असर

तेजीबाजार(जौनपुर), अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी/ एसटी) संशोधन अधिनियम के खिलाफ गुरुवार को 'भारत बंद'का मिला-जुला असर देखने को मिला। स्थानीय तेजीबाजार मार्केट की खुली दुकानों को बन्द कराने पच्चासों की संख्या में पहुंचे लोगों ने क्षेत्र के सुभाष चौराहे, कटरा चौराहे, एवं बैंक के अगल-बगल तथा पुरानी बाजार में खुली दुकानों तथा मयंदीपुर रोड पर स्थित दुकानों, महराजगंज मार्केटों में खुली दुकानों को पूर्णतया बन्द करा दिया। दुकानों को बंद कराने के सम्बंध में कहीं-कहीं झड़प

भी देखने को मिली। बाजारों को बन्द करवाने आये लोगों की भीड़ देखते ही चौकी इंचार्ज धनुषधारी पाण्डेय,सिपाही रमेश सिंह अपने सहयोगियों के साथ बाजारों में सुरक्षा की दृष्टी से पहुंच गये,

सुनीता को मिला कार्यवाहक ब्लाक प्रमुख का दर्जा

लम्भुआ (सुल्तानपुर), शायद यह जिले के इतिहास में पहली घटना होगी। बगैर चुनाव लड़े ही बीडीसी सुनीता चौरसिया को कार्यवाहक ब्लाक प्रमुख का दर्जा दिया गया है। वह ब्लाक प्रमुख के वित्तीय व प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करेंगी। मालूम हो कि स्थानीय ब्लाक प्रमुख पद पर समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पृथ्वीपाल यादव की अनुज वधू मीना यादव निर्विरोध ब्लाक प्रमुख निर्वाचित हुई थीं। बीती 16 जुलाई को उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया। करीब डेढ़ माह से खाली चल रहे ब्लाक प्रमुख पद के लिए जिला पंचायतराज अधिकारी सर्वेश कुमार पांडेय ने वार्ड संख्या 58 से निर्वाचित सुनीता को स्थानीय क्षेत्र पंचायत प्रमुख के वित्तीय व प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन का आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि क्षेत्र पंचायत सदस्य सुनीता अगले आदेश या निर्वाचन तक कार्यवाहक ब्लाक प्रमुख पद के दायित्व का निर्वहन करती रहेंगी। डीपीआरओ ने यह आदेश जिलाधिकारी से अनुमोदन के बाद जारी हुआ है। कार्यवाहक ब्लाक प्रमुख सुनीता भाजपा के अर्जुनपुर मंडल अध्यक्ष जगदीश चौरसिया की पत्नी हैं। जगदीश चौरसिया विधायक देवमणि दुबे के करीबी भी बताए जाते हैं। फिलहाल, सुनीता को कार्यवाहक ब्लाक प्रमुख बनाए जाने पर पार्टीजनों में खुशी व्याप्त है।

टेलीविजन सेट में धमाका, १८ बच्चे जख्मी

इलाहाबाद, हिनौती पांडेय गांव में टेलीविजन सेट में धमाका हो गया। पिक्चर ट्यूब फटने से हुए विस्फोट से पास बैठे किसी बच्चे की आंख में शीशा घुसा तो किसी के शरीर में। धमाके के साथ सेट में आग भी लग गई और कमरे में करंट उतर आया। इसकी चपेट में 18 बच्चे आ गए, जिसमें से दो बेहोश हो गए। घायल बच्चों की चीख पुकार सुन लोग दौड़े और सभी को अस्पताल ले गए। दो बच्चों की हालत गंभीर है। कहा जा रहा है कि हाईवोल्टेज करंट की वजह से यह हादसा हुआ। टेलीविजन सेट पुराने माडल का पिक्चर ट्यूब वाला था। पिक्चर ट्यूब फटा तो उसकी गैस फैली और शीशे के टुकड़ों से बच्चे घायल हो गए। सेट और स्टेबलाइजर में आग लग गई। बच्चे जोर -जोर से चीखने लगे। मीनू, सीमा, मीना, दुन्नी, रीना, करीना, करिश्मा, सिक्की, गुड़िया को अस्पताल पहुंचाया गया। मीनू और सीमा की हालत गंभीर है। दोनों को डेढ़ घंटे बाद होश आया। कुछ लोगों का कहना है कि टेलीविजन सेट पुराना था, इसलिए फट गया।

हिनौती पांडेय गांव के राजाराम का पुरवा में राम कैलाश के घर में आसपास के बच्चे टीवी देख रहे थे। बच्चों की संख्या अधिक थी, इसलिए कुछ टेलीविजन सेट के काफी नजदीक बैठे थे। यह

राष्ट्रपति का नाम न बता पाने पर डीएम ने ली शिक्षकों की क्लास

मिर्जापुर, शिक्षक दिवस पर अपने गोद लिए गांव पिपराडांड प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाते हुए जिलाधिकारी ने जब बच्चों से राष्ट्रपति का

नाम पूछा तो वह नहीं बता पाए। इस पर डीएम ने संबंधित अध्यापकों की क्लास ली और कहा कि अगली बार वह पुनः बच्चों से जानकारी लेंगे न बता पाने की स्थिति में संबंधित अध्यापक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। डीएम अनुराग पटेल ने पिछली बार जब कक्षा ली थी तो राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का नाम बच्चों को बताया था। इसी लिए उन्होंने पूछा। डीएम ने बच्चों को बताया कि शिक्षक दिवस क्यों मनाया जाता है। बच्चों को डीएम की ओर से मिठाई व अध्यापकों ने टाफी वितरित की। शिक्षक दिवस पर डीएम सहित 60 गांव में अधिकारियों ने अपने गोद लिए गांव में पढ़ाया। कृषि उपनिदेशक एके उपाध्याय ने प्राथमिक विद्यालय सरांवा व नलकूप खंड के अधिशासी अभियंता संदीप कठेरिया ने छानबे विकास खंड के तिलई मेवाड़ तथा लघु डाल के अधिशासी अभियंता वी बी कृष्णा ने गोद लिए गांव सीखड़ ब्लाक के खैरा गांव में पढ़ाया।

दिल का दौरा पड़ने से महिला ग्राम प्रधान की मौत

सिद्धार्थनगर, ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसपुर की महिला ग्राम प्रधान का दिल का दौरा पड़ने से मंगलवार की रात्रि में निधन हो गया। उनके आकस्मिक मौत से गांव सहित समूचे क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम अजगरा निवासिनी सितारा (48)पत्नी अकबर अली वर्तमान में ग्राम पंचायत परसपुर की प्रधान थीं। मंगलवार की सायं सीने में दर्द उठा और उन्हें इलाज हेतु बांसी के एक निजी चिकित्सक पर ले जाया गया। जहां से इलाज के बाद वे बांसी स्थित अपने प्रतिष्ठान पर आ गईं। बताते हैं कि थोड़ी ही देर में उनकी तबियत ज्यादा बिगड़ गई। आनन फानन में लोग उन्हें पीएचसी ले गए, जहां से चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। परिजन जिला अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। बताते चलें कि वे इससे पूर्व वर्ष 2005 से 2010 तक परसपुर की प्रधान रह चुकी थीं। उसके बाद 2015 तक उनके पति अकबर प्रधान रहे। इस बार महिला आरक्षण होने के चलते ग्रामीणों ने उन्हें दोबारा प्रधान चुना था। उनकी मौत की खबर से लोग हतप्रभ व गमगीन हैं। बुधवार को उनकी मिट्टी में पूर्व सांसद मो. मुकीम, पूर्व विधायक लालजी यादव, बांसी नगर पालिका अध्यक्ष इद्रीस पटवारी, कांग्रेसी कृष्णबहादुर चसह, मो. हारून, रामदेव निषाद, राममिलन निषाद, संतलाल अग्रहरि, प्रधान चन्द्रपाल शुक्ल व हफीजुर्रहमान उर्फ पुन्नू, ओम प्रकाश त्रिपाठी, प्रदीप मौर्य, गिरजेश कुमार आदि सहित भारी तादात में लोग शामिल रहे।

२०१९ में झूठों की जमात और ठगों के गिरोह से है लड़ाई-रामगोविंद

बांसडीह (बलिया), लोकसभा चुनाव 2019 नजदीक है और इसके लिए सभी नेता, कार्यकर्ता अभी से लग जाएं, तभी केंद्र में हमारे गठबंधन की सरकार बनेगी, जिसमें समाज के अंतिम व्यक्ति के विकास के बारे में कुछ किया जा सके। उक्त बातें समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक में बांसडीह सपा कार्यालय पर नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने कहीं। जोन, सेक्टर व बूथ कमेटी के सदस्य व पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षक दिवस पर सभी

लोगों को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री का बेतुका बयान पढ़े-लिखे शिक्षित बेरोजगार युवाओं व योग्य शिक्षकों का अपमान है। कहा कि बेरोजगारों को नौकरी के सवाल पर सरकार के मुखिया की मंशा नियत स्पष्ट होती है जब कहते हैं कि नौकरी पाने की योग्यता उत्तर प्रदेश के शिक्षित नौजवानों में नहीं है। जबकि सही यह है कि केंद्र की वर्तमान सरकार नौजवानों को रोजगार और नौकरी देना ही नहीं चाहती। आप लोगों को नहीं भूलना चाहिए कि आप का मुकाबला झूठ बोलने वाले फरेबी व पाखंडी लोगों से है, जिन्हें झूठ बोलने में महारत हासिल है। कार्यकर्ताओं को सजग करते हुए कहा कि आप को इस लिए पूरे जोश व जज्बे के साथ तैयार रहने की जरूरत है, क्योंकि आप की लड़ाई झूठों की जमात, तिकड़मों के समूह और ठगों के गिरोह से है। इस दौरान श्याम बहादुर सिंह, सुशील कुमार पांडेय कान्ह जी ,अशोक यादव, अरविंद सिंह मंटू, दिप्ती मान सिंह राहुल, रविन्द्र सिंह, राकेश तिवारी छोटे, रजनीश पांडेय, कौशल पांडेय, नंदलाल यादव, फेकू उपाध्याय, सज्जाद अनवर, राहुल सिंह, मैनुद्दीन, नन्दलाल यादव आदि मौजू थे।

२५० शिक्षकों को मिला नियुक्ति पत्र

गाजीपुर, शिक्षक दिवस जिले में 250 युवाओं के लिए खुशी का दिवस साबित हुआ और यादगार बन गया। प्रदेश सरकार की मंशानुसार बुधवार को सदर बीआरसी पर बीएसए श्रवण कुमार ने 250 नव नियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। हाथ में नियुक्ति पत्र मिलते ही शिक्षकों के खुशी का ठिकाना नहीं रहा और वह झूम उठे। प्रदेश में चल रही 68 हजार प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदेश जारी किया था कि पांच सितंबर को हर हाल में नव चयनित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र का वितरण कर देना है। आदेश आने के बाद जिला बेसिक शिक्षा विभाग दिन रात करके इसकी तैयारी में जुट गया। एक सितंबर से चार सितंबर तक इसकी काउंसिलिंग कराई गई। इसके बाद रातों-रात नव चयनित शिक्षकों को विद्यालय आवंटित

कर पांच सितंबर को नियुक्त पत्र वितरित कर दिया गया। इस संबंध में बीएसए ने बताया कि विद्यालय आवंटन में महिलाओं व दिव्यांगों की सुविधा का ध्यान रखा गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधिवक्ता की मौत

बस्ती, कोतवाली क्षेत्र के शिवा कालोनी निवासी अधिवक्ता सौरभ कुमार पांडेय 42 की मंगलवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। डाक्टर के अनुसार उन्होंने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था। कोतवाल एमपी चतुर्वेदी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दिवंगत अधिवक्ता, एपीएन पीजी कालेज में संस्कृत विभागाध्यक्ष रहे सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर डा. ओंकार नाथ पांडेय के पुत्र थे। शिवा कालोनी निवासी दिवंगत अधिवक्ता सौरभ कुमार पांडेय के छोटे भाई प्रणव कुमार पांडेय ने बताया कि सौरभ काफी दिनों से किसी बात को लेकर डिप्रेशन में थे। उनका इलाज भी चल रहा था।

क्रिकेट खिलाड़ी की तालाब में डूबने से मौत

सुरियावां (भदोही), पड़ोसी जनपद जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर निवासी क्रिकेट प्रशिक्षु की बुधवार को तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना से साथी खिलाड़ियों में जहां हड़कंप मच गया वहीं सूचना मिलते ही उसके परिजन भी भागे-भागे सुरियावां पहुंचे। परिजन शव को लेकर मुंगराबादशाहपुर वापस चले गए। बताते चलें कि जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर निवासी (२२) हेमंत बिंद सुरियावां के एनएनएस क्रिकेट एकेडमी से कोचिंग ले रहा था। विगत एक वर्ष से वह सुरियावां नगर स्थित यूबीआई शाखा के पास किराए पर कमरा लेकर अकेले रहता था। बुधवार को कुछ अन्य साथियों के साथ वह ग्राम झिंगटपुर स्थित शहीद मैदान में क्रिकेट खेल रहा था। खेलते खेलते गेंद मैदान के पास ही स्थित कच्चे तारा तालाब में चली गई। इस बीच तालाब की गहराई का अंदाजा न होने के कारण धोखा खा गया तथा तैरना न जानते हुए भी गेंद निकालने के लिए तालाब में उतर गया। उसे डूबते देख अन्य साथी भी तालाब में कूदे तथा उसे बाहर निकाल लिया गया। हालांकि तब तक उसकी हालत बिगड़ चुकी थी वह अचेत हो चुका था। आनन-फानन में उसे लेकर लोग सुरियावां बाजार स्थित निजी अस्पताल पहुंचे पर चिकित्सकों ने हाथ खड़े कर दिए। परिणामस्वरूप लोग उसे लेकर भदोही के इंदिरा मिल ओवरब्रिज स्थित निजी अस्पताल आए, जहां प्राथमिक जांच में ही चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

सूरत। डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव बैंक के वाइस चेयरमैन के पद पर फिर से संदीप भाई देसाई की नियुक्ती होने पर सचिन बाजार संगठन की और से संदीप भाई देसाई बधाई और शुभेच्छा स्वरुप फुलों का गुलदस्ता देते हुए।

कपड़ा व्यापारी के साथ 56.21 लाख की ठगी

सूरत। जे.जे एसी मार्केट के कपड़ा व्यापारी के साथ दिल्ली के दो व्यापारियों ने दलालों की सहायता से 1.51 करोड़ रुपये का कपड़े का माल खीदने के बाद उसमें से 95.65 लाख रुपये चुका दिया जबकि बाकी के पैमेन्ट का चेक रिटर्न कराकर 56.21 लाख रुपये की ठगी की। इस संदर्भ में व्यापारी ने दो व्यापारियों व दो दलालों सहित कुल चार लोगों के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है।

घटना के संदर्भ में सूत्रों से मिला जानकारी के अनुसार जे.जे एसी मार्केट में पेसीफिक डेनीम इण्ड्रस्ट्रीट के नाम से कपड़े का व्यवसाय कनरे वाले व्यापारी मनीष बाबूभाई मालाणी ने दर्ज करवाई शिकायत में दिल्ली में रहने वाले और तिरुपति ट्रेडर्स के नाम से व्यवसाय करने वाले पुष्कर मित्तल उर्फ मयंक पवन कसल तथा मुकेश अग्रवाल ने सूरत में कपड़े की दलाली करने वाले अजय शुक्ला तथा प्रविण शुक्ला के माध्यम से तीन माह के समय अंतराल दौरान कुल 1.51 करोड़ रुपये का माल उधार खरीद उसमें से 95.69 लाख की पैमेन्ट कर दिया जबकि बाकी की पैमेन्ट 56.21 लाख के संदर्भ मे दिए गए चैक रिर्टन कराकर ठगी की। जे.जे एसी मार्केट के कपड़ा व्यापारी के साथ दिल्ली के दो व्यापारियों ने दलालों की सहायता से 1.51 करोड़ रुपये का कपड़े का माल खीदने के बाद उसमें से 95.65 लाख रुपये चुका दिया जबकि बाकी के पैमेन्ट का चेक रिटर्न कराकर 56.21 लाख रुपये की ठगी की। इस संदर्भ में व्यापारी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दिल्ली के दो व्यापारी व सूरत के दो दलालों सहित चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरु की है।

सूरत। हिन्दु मुस्लिम एकता के प्रतीक सूफी संत के मजार पर रंग बिरंगी लाईट लगा कर सजावट की गई। ये प्रोग्राम लगातार 25 वर्ष से किया जा रहा है।

हार्दिक पटेल उपवास : आज कांग्रेस कार्यकर्ता उपवास पर

अहमदाबाद । हार्दिक पटेल के अनिश्चितकालीन उपवास और किसानों के प्रश्न लड़ने के मूड में आ गये कांग्रेस ने गुरुवार को मुख्यमंत्री विजय रुपाणी से मिलकर आवेदनपत्र सौंपा गया। कांग्रेस ने स्पष्ट मांग की है कि, राज्य सरकार संवेदनशीलता और अहंकार छोड़कर हार्दिक के साथ सीधा बातचीत करे । गुरुवार को वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अर्जुन मोढवाडिया, सिद्धार्थ पटेल के अलावा विपक्ष के नेता परेश धानाणी तथा विधायकों सहित कांग्रेस के एक प्रतिनिधि ने गुरुवार को शाम में मुख्यमंत्री ऑफिस में विजय रुपाणी से मुलाकात की और किसान हार्दिक पटेल के उपवास आंदोलन मामले में इसके साथ सीधा बातचीत करे, किसानों की कर्ज माफी, अल्पेश कथीरिया सहित के प्रदर्शनकारियों की मुक्ति और राज्य में प्रजातंत्र मूल्यों को बनाये रखने की मांग की। इसके साथ कांग्रेस ने राज्य सरकार को २४ घंटे का अल्टीमेटम दिया गया हालांकि सरकार यह पूरे मामले में २४ घंटे में निर्णय नहीं ले तो शुक्रवार को सुबह में ११ बजे से शनिवार को ११ बजे तक राज्य के सभी जिलों-तहसीलों पर उपवास, विरोध और प्रदर्शनों के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । हार्दिक पटेल का उपवास आंदोलन जबकि १३वां दिन है तब कांग्रेस ने अब इस मामले में सीधा हस्तक्षेप किया है। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को सीएम रुपाणी की मुलाकात लेकर उनको अब हार्दिक के उपवास आंदोलन मामले में हार्दिक के साथ बातचीत करने के लिए तथा किसानों के हित में कदम उठाने की कार्रवाई की थी । इतना ही नहीं, यह मामले में राज्य सरकार २४ घंटे में कदम नहीं उठायेगी तो शुक्रवार को सुबह में ११ बजे से शनिवार को सुबह में ११ बजे तक राज्य के सभी जिलों-तहसीलों में कांग्रेस के कार्यकर्ता उपवास आंदोलन करेंगे और विरोध व्यक्त करेंगे।

सूर्यनगरी एक्सप्रेस से सोने के पैकेट के साथ कुरियर बॉय गिरफ्तार!

टीटीइ ने युवक को स्लीपर कोच में जनरल टिकट लेकर यात्रा करते हुए पकड़ा ट्रेन स्कॉटिंग पार्टी ने सूरत लाने के बाद युवक को दोबारा बोरीवली भेजा

सूरत. बान्द्रा टर्मिनस-जोधपुर सूर्यनगरी एक्सप्रेस में गुरुवार को रेलवे सुरक्षा बल की ट्रेन स्कॉटिंग पार्टी ने एक कुरियर बॉय को बोरीवली स्टेशन पर सोने के पैकेट के साथ गिरफ्तार किया है। हालांकि सोने का वजन और कीमत सार्वजनिक नहीं की गई है। चर्चा है कि सत्रह करोड़ का सोना पकड़ा गया है।

बान्द्रा टर्मिनस से प्रतिदिन 12480 बान्द्रा टर्मिनस-जोधपुर सूर्यनगरी एक्सप्रेस दोपहर 1.30 रवाना होती है। इसमें रेलवे सुरक्षा बल के जवानों की ड्यूटी ट्रेन स्कॉटिंग पार्टी के तौर पर लगाई जाती है। सूर्यनगरी एक्सप्रेस के बोरीवली पहुंचने पर ट्रेन के टीटीई ने एक युवक को द्वितीय श्रेणी शयनयान कोच में जनरल टिकट लेकर यात्रा करते हुए पकड़ा। टीटीई ने उसे संदिग्ध मानते हुए ट्रेन स्कॉटिंग पार्टी को सौंप दिया।

रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने उससे पूछताछ की तो उसने अपना नाम मनीष कुमार बनवारीलाल सिंह (21) बताया। वह मूल रूप से राजस्थान के झुंझुनू जिले का निवासी है और हाल में मुम्बई में रहता है और एयर पार्सल नामक कुरियर कंपनी में नौकरी करता है। वह नियमित मुम्बई से सूरत के लिए पार्सल लेकर ट्रेन में आता था। पूछताछ करने पर मनीष ने पार्सल के पैकेट में सोना होने की जानकारी दी, लेकिन मनीष ने पैकेट खोलने से इनकार किया। उसने रेलवे सुरक्षा बल को बताया कि उसके कुरियर के मालिक के सामने वह पैकेट खोल देगा।

इसके बाद रेलवे सुरक्षा बल की स्कॉटिंग पार्टी उसे सूरत लेकर पहुंची। सूरत स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल के जवान मनीष को लेकर रेलवे पुलिस थाने पहुंचे। बाद में मनीष को बोरीवली में पकड़े जाने के कारण मामला वहीं रेफर कर उसे जवानों के साथ बोरीवली रवाना कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पैकेट में सोना है, लेकिन सोने का वजन और कीमत के बारे में कोई जानकारी नहीं है। सत्रह करोड़ का सोना पकड़े जाने की सिर्फ चर्चा है।

हार्दिक ने अनिश्चितकालीन उपवास 13 वें दिन जारी

24 घंटे के अल्टीमेटम की अवधि पूरी होने पर हार्दिक ने जल भी त्यागा

अहमदाबाद । पाटीदार समुदाय के लिए आरक्षण और किसानों के लिए कर्ज माफी की मांग के साथ अनिश्चितकालीन उपवास पर बैठे हार्दिक पटेल की तबियत एक तरफ ज्यादा बिगड़ रही है। हार्दिक पटेल के अनिश्चितकालीन उपवास में गुरुवार को १३वें दिन भी आरोप-प्रतिआरोप का दौर जारी रहा। दूसरी तरफ बातचीत के लिए अल्टीमेटम देने के बाद २४ घंटे की अवधि पूरी होने के बाद हार्दिक पटेल ने फिर से जल त्याग कर दिया। इस संदर्भ में हार्दिक पटेल की तरफ से और पास के नेता मनोज पनारा ने बात की। मनोज ने बताया है कि, सरकार को इस मामले में गंभीरता नहीं दिखाई दे रही है। बातचीत के लिए सरकार उत्सुक नहीं है। सरकार पर हमला करते हुए पनारा ने कहा है कि, यूपी में कर्ज माफी हो सकता है तो गुजरात में क्यों नहीं हो सकता है। मनोज ने यह भी कहा है कि, जहां तक हमारी मांग को स्वीकार नहीं किया जाएगा वहां तक हम दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि, खोडलधाम ट्रस्ट के चेयरमैन नरेश पटेल का हम सम्मान करते है यदि वह मध्यस्थता बनकर पेशकश करेंगे तो हमें कोई आपत्ति नहीं है।

पास के कन्वीनर हार्दिक पटेल के अनिश्चितकालीन उपवास के १३वें दिन इनकी तबियत ज्यादा बिगड़ गई थी। हार्दिक को कमजोरी, बेबसी सहित बिगड़े स्वास्थ्य के बीच स्वास्थ्य के खतरे का सामना कर रहे है। पिछले १३ दिन के उपवास को लेकर कमजोरी के कारण हार्दिक अब चलने में असमर्थ बन गये और इसे गुरुवार को सुबह से व्हीलचेयर पर बिठाकर उपवास छावनी तक ले जाना पड़ा।

दूसरी तरफ हार्दिक पटेल ने गुरुवार शाम तक में यदि सरकार इसके साथ सीधी बातचीत नहीं करे तो वह जल त्याग की चेतावनी दी गई होने से पूरे पाटीदार समाज में काफी उत्तेजना माहौल छाया है। शाम को हार्दिक की तबियत ज्यादा बिगड़ने पर वह आंखों पर रुमाल रखकर सो गई देखने को मिले, उनमें बात करना या आंख खुला रखकर हमेशा देखने की शक्ति भी कम होती जा रही है।

साधना-आराधना का चला दौर

सूरत. जैन धर्म के पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के पहले दिन गुरुवार को जैन धर्मावलम्बियों में भारी उत्साह देखने को मिला। चार सम्प्रदायों में से श्वेताम्बर मूर्तिपूजक व स्थानकवासी संघ के पर्युषण महापर्व की शुरुआत में सुबह से जिनालयों में जिनेश्वर प्रभु की पूजा व दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी। वहीं, विभिन्न क्षेत्रों में गुरु भगवंतों के सान्निध्य में आयोजित प्रवचन के दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने जिनवाणी का श्रवण लाभ लिया। पर्युषण महापर्व के पहले दिन गुरुवार को सुबह प्रवचन के दौर के बाद शाम को प्रतिक्रमण व रात्रि में भजन संध्या के आयोजन किए गए। इसके अलावा प्रभु पूजा, आंगी रोशनी, स्नात्र महोत्सव, महापूजा, सामायिक, प्रतिक्रमण, पौषध व तपस्या के दौर भी गुरुवार से शुरू हो गए। उधर, तेरापंथ संघ का पर्युषण महापर्व शुक्रवार से शुरू होगा और इस दौरान सिटीलाइट, उधना, परवत पाटिया के तेरापंथ भवनों में साध्वीवृंद के सान्निध्य में प्रवचन समेत अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं, टीकमनगर जैन संघ उपाश्रय में पन्यास पद्मदर्शन विजय महाराज ने पर्युषण महापर्व के बारे में श्रद्धालुओं को सुबह प्रवचन में अहिंसा, साधर्मिक भक्ति, क्षमा एवं अनुकंपा दान के अलावा व्यक्ति के पांच कर्तव्यों को जीवन में अहम बताया। रांदेर रोड पर निशान फलिया जैन संघ में विराजित ज्ञानरश्मिविजय महाराज के सान्निध्य में महापर्व की शुरुआत में गजलक्ष्मी अनुष्ठान करवाया गया। इसके बाद पर्युषण पर्व पर प्रवचन हुआ और संघ पूजा का आयोजन किया गया।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

सूरत सहित एक-दो स्थल पर छिटपुट विरोध

भारत बंद के ऐलान की राज्यभर में कोई असर नहीं

अहमदाबाद। अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी-एसटी) संशोधन अधिनियम के विरूद्ध स्वर्ण संगठनों द्वारा गुरुवार को भारत बंद के ऐलान की घोषणा की गई थी लेकिन अहमदाबाद शहर सहित राज्यभर में गुरुवार को भारत बंद के ऐलान का कोई विशेष असर नहीं देखा गया। अहमदाबाद सहित गुजरात राज्य में जनजीवन हररोज के अनुसार देखने को मिला। सूरत सहित करीब एक-दो स्थल पर छिटपुट विरोध की घटना को छोड़कर एक प्रकार से भारत बंद का कोई असर या प्रभाव गुजरात में नहीं देखने को मिला। केन्द्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को बदलकर एससी-एसटी ऐक्ट में संशोधन करके मूल स्वरूप में लागू करने के विरोध में गुरुवार को स्वर्ण समुदाय ने भारत बंद का ऐलान दिया था। हालांकि गुजरातभर में इसका कोई विशेष असर देखने को नहीं मिला। हालांकि सूरत में पांडेसरा में स्वर्ण समाज द्वारा विरोध दर्ज कराया गया। लेकिन पुलिस ने यह विरोध प्रदर्शन पहले पांच प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने पर मामला शांत हो गया। पांडेसरा में स्थित तेरेनाम चौकडी के पास स्वर्ण समाज के लोगों द्वारा स्थानीय दुकानों को बंद कराने पर विवाद शुरू हो गया और पुलिस तुरंत कार्रवाई करनी पड़ी। जिसमें पुलिस ने पांच प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद परिस्थिति सामान्य हो गई और जनजीवन पहले के अनुसार फिर से शुरू हो गया। दूसरी तरफ, अहमदाबाद शहर सहित राज्यभर में भारत बंद के ऐलान होने के बावजूद भी सुबह से ही स्कूलों, कॉलेजों, बैंकों सहित सभी ऑफिस और दुकानें हररोज के अनुसार चल रहा था। बंद का ऐलान स्वर्ण समाज, करनी सेना तथा कई अन्य संगठनों द्वारा दिया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com